भक्ति है कालो नाग कोई नर पकड़ो मती लिरिक्स

भक्ति है कालो नाग,
कोई नर पकड़ो मती,
पकड़ो मती भाया पकड़ो मती,
पकड़ लेवो पछे छोड़ो मती।bd।

शब्द पियाला में वारा वासा,
चवदा लोक करता वारी आशा,
अरे पल पल भेद बताय,
रचना रच दी अशी,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

अठरा करोड़ नाग पकडीया,
पांच करोड़ ऊझड पडिया,
पांचा ने खा गयो नाग,
पांच हुआ एक मती,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

इक्कीस करोड़ नाग पकडीया,
सात करोड़ उझड पडिया,
साता ने खा गयो नाग,
सात हुआ एक मती,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

सत्ताईस करोड़ नाग पकडीया,
नो करोड़ ऊझड पडिया,
नो ने खा गयो नाग,
नो हुआ एक मती,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

छत्तीस करोड़ नाग पकडीया,
बारह करोड़ ऊझड पडिया,
बारह ने खा गयो नाग,
बारह हुआ एक मती,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

पांच सात नो बारह मलीया,
शंकर नाथ गुरू शरणा पडिया,
मारे सतगुरु को आधार,
छोड़ु नहीं हरी भक्ति,
भक्ति है कालों नाग,
कोई नर पकड़ो मती।bd।

भक्ति है कालो नाग,
कोई नर पकड़ो मती,
पकड़ो मती भाया पकड़ो मती,
पकड़ लेवो पछे छोड़ो मती।bd।

गायक – जगदीश चन्द्र जटिया।
प्रेषक – श्री धर्मराज बावजी।
मोबाइल 9950647154

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com